अपर इंडिया एक्सप्रेस का रोशनी तथा पंखों के बिना चलना

7425. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 10 मार्च, 1968 को अपर इंडिया एक्सप्रेस सियालदह स्टेशन से बिना रोशनी तथा पंखों के चल पड़ी थी;

(ख) क्या मुगलसराय तथा अन्य स्टेशनों पर गार्डों तथा अन्य अधिकारियों को यात्रियों द्वारा इस बारे में की गई शिकायतों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया;

(ग) क्या 11 मार्च, 1968 को वाराणसी स्टेशन पर शिकायत पुस्तक में दो संसद सदस्यों ने भी अपनी शिकायतें दर्ज की थीं;

(घ) यदि हां, तो क्या इस गाड़ी में रोशनी व्यवस्था के फेल हो जाने के कारणों की सरकार ने जांच की है; और

(ङ) यदि हां, तो इसका क्या परिणाम निकला और क्या इसके लिये जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी, नहीं ।

(ख) इस सम्बन्ध में की गयी शिकायतों पर ध्यान दिया गया था । भागलपुर, जमालपुर, पटना, दानापुर और मुगलसराय में यह गाड़ी थोड़ी देर के लिए रुकती है और उतनी देर में जितनी खराबियां दूर की जा सकती थीं, दूर कर दी गयीं ।

(ग) जी, हां । यह सही है कि 11-3-68 को वाराणसी में लोक सभा के दो संसद सदस्यों सर्वश्री रामावतार शास्त्री और सत्य नारायण सिंह ने शिकायत दर्ज की थी ।

(घ) जी हां, सरकार ने तीन अधिकारियों की एक समिति के द्वारा इस घटना की आवश्यक जांच की है ।

(ङ) गाड़ी में बिजली व्यवस्था से सम्बन्धित 5 कर्मचारियों को कर्त्तव्य की उपेक्षा या कारवाई न करने के लिए उत्तरदायी ठहराया गया है । इन कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कारंवाई की जायेगी ।

National Instruments Ltd., Calcutta

7426. SHRI MAHANT DIGVIJAI NATH :
SHRI CHENGALRAYA NAIDU:

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the National Instruments Ltd., Calcutta suffered a loss of about Rs. 2 lakhs ;

(b) if so, the details thereof ; and

(c) the steps which Government propose to take to make up the loss and earn profit ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) to (c). The National Instruments Ltd., Jadavpur, Calcutta suffered a loss of about Rs. 2 lakhs during 1966-67. The sales and consequent production of the Jadavpur unit received a setback as a result of general slump in the engineering industries and the lowering of demand from State and Central Government Departments including Railways who are the principal and regular customers for the products of the Company. Curtailment in demand resulted in decline in sales and consequent reduction in production. Increase in expenditure was owing to increased payment of allowances and other amenities to employees and rise in the cost of raw materials.

The Company have curtailed suspended production of certain traditional items and have taken steps to diversify their production towards lines where there is a demand. The Company have secured orders for manufacture of sophisticated instruments required by Defence. As a result of sales drive, orders from the U. P. state Government, and various educational and medical institutions have been secured. Efforts are also being made to promote the export of Company's goods through the State Trading Corporation.